ई ई एस एल

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड

विद्युत मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनी

नवोन्मेषी ऊर्जा

भारत का ऊर्जा परिवर्तन: भारत ऊर्जा सप्ताह 2024

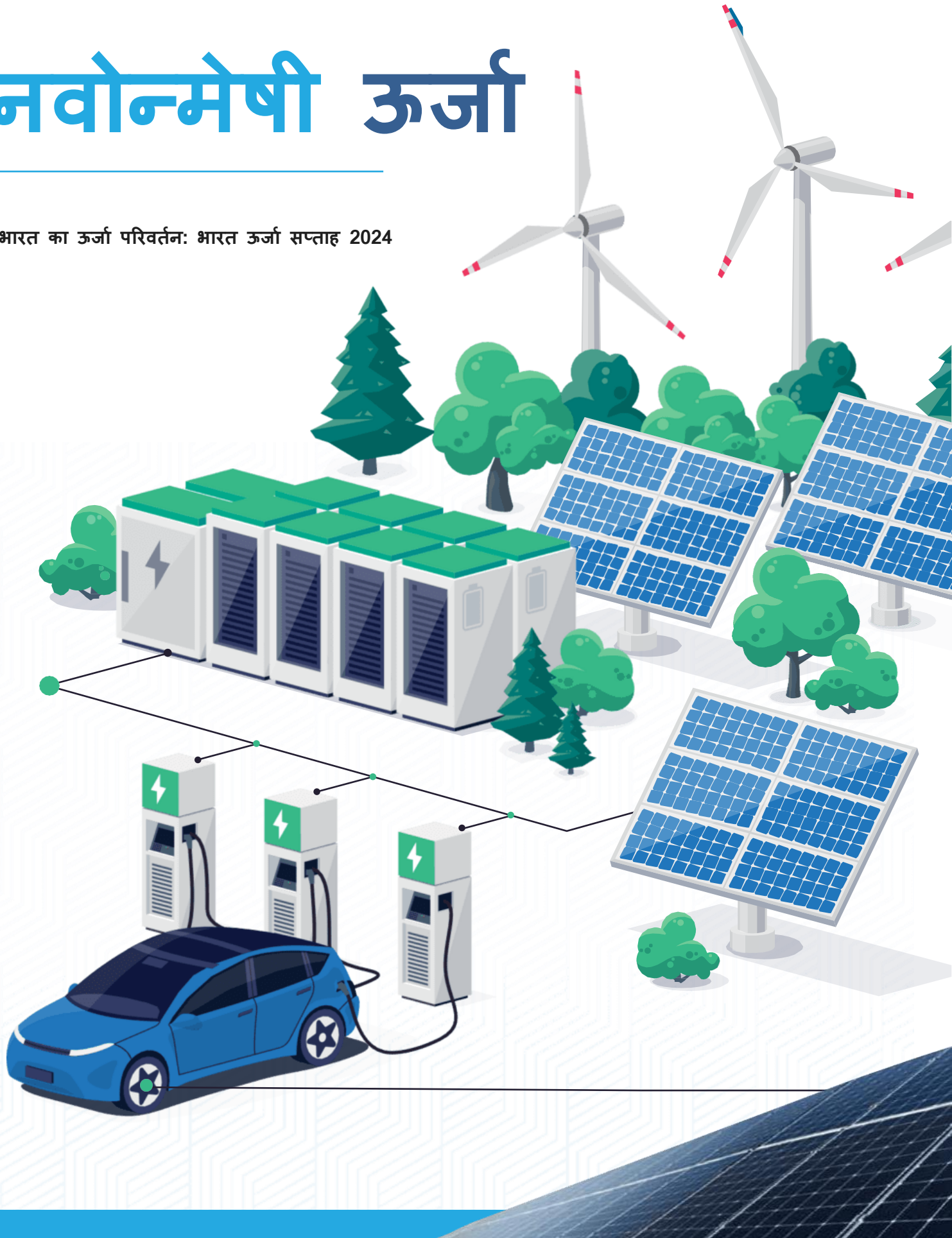

विषय-सूची

1. संपादक के विचार - श्री नितिन भट्ट, उप महाप्रबंधक (जनसंपर्क एवं विक्रय), ईईएसएल
ईईएसएल का स्थापना दिवस समारोह- श्री विशाल कपूर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ईईएसएल और सीईएसएल
2. ईईएसएल की ई-कॉमर्स वेबसाइट के शुभारंभ होने से ऊर्जा दक्षता को अपनाने का रास्ता प्रशस्त हुआ : ईईएसएल के महाप्रबंधक तकनीकी/प्रमुख खुदरा एवं विक्रय, श्री आदेश सक्सेना
3. भारत की स्थिरता और ऊर्जा-दक्षता लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए ईईएसएल ने भारत ऊर्जा सप्ताह में रणनीतिक साझेदारी में प्रवेश किया- श्री सौरव पुरोहित, उप प्रबंधक तकनीकी, ईईएसएल
4. भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 की मुख्य विशेषताएं: ऊर्जा-कुशल उपकरणों के प्रदर्शन और विद्या प्रतिष्ठान और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के साथ समझौता ज्ञापन : सुश्री प्रियल प्रकाश, जनसंपर्क अधिकारी, ईईएसएल
5. दुनिया और भारत भर में ऊर्जा के शीर्ष रुझान
6. ईईएसएल के मुख्य कार्यक्रम
7. भारत उर्जा सप्ताह 2024 में ईईएसएल
8. ईईएसएल में स्थापना दिवस का जश्न
9. राजभाषा सम्मेलन

हमारी टीम

फरवरी 2024

- डिजाइन : श्री अनिमेष मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख (विक्रय एवं जनसंपर्क) ईईएसएल
- श्री अक्षय अरोडा, वित्त प्रबंधक, एडेलमेन इंडिया
- संपादक: श्री नितिन भट्ट, उप महाप्रबंधक (विक्रय एवं जनसंपर्क) ईईएसएल

सब एडिटर : सुश्री अंजलि यादव , अधिकारी, जनसंपर्क

संपादक के विचार

श्री नितिन भट्ट, उप महाप्रबंधक, विक्रय एवं जनसंपर्क, ईईएसएल

प्रिय पाठकों,

आपके साथ इस संवादपत्र का यह अंक साझा करते हुए मुझे ख़ुशी महसूस हो रहा है। पहली वजह यह है कि ईईएसएल 14 साल पूरे कर रहा है और मुझे संगठन के सफर और भारतीय समाज और उद्योगों में इसके योगदान पर बहुत गर्व है। दूसरा कारण यह है कि हम अभी-अभी भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 से लौटे हैं और यह हमारे लिए पिछले 12 महीनों के एक महत्वपूर्ण और फलदायक समय को दर्शाता है। यह एक ऐसा साल जिसमें हमने भारत में कुछ सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों और व्यापार मेलों में अपनी ऊर्जा दक्षता दृष्टि को साझा किया है और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। इस संवादपत्र में, हम कुछ सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और आने वाले वर्ष में जिन क्षेत्रों पर हम विशेष ध्यान देंगे, उन पर एक नज़र डालेंगे।

भारत स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकियों की ओर तेजी से बढ़ रहा है, और ऊर्जा दक्षता एक और ऊर्जा परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण घटक है। ईईएसएल ऊर्जा दक्षता के सभी क्षेत्रों में समाधान प्रदान करने और अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सरकारी संस्थाओं और सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों के साथ साझेदारी का पता लगाना जारी रखेंगे ताकि हमारे समाधानों की पहुंच और प्रभाव बढ़ सके। मेरा मानना है कि ऊर्जा दक्षता को हर उस दैनिक गतिविधि में समाविष्ट किया जाना चाहिए जिसमें बिजली की खपत शामिल होती है। इसमें यात्रा, खाना पकाना, रोशनी, शीतलन आदि शामिल हैं। यह भी ज़रूरी है कि हम सीधे तौर पर उपभोक्ताओं तक पहुंचें, उनके साथ अपनी ऊर्जा दक्षता के लक्ष्य को साझा करें, और उन्हें अपने उत्पादों के बारे में बताएं और उन्हें इनचीजों को आसानी से उपलब्ध कराएं।

आने वाले सालों में हमारा मुख्य ध्यान इन विचारों से जुड़ा हुआ है। निजी कारों की लगातार बढ़ती संख्या के बावजूद, भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा दैनिक कार्य के लिए सार्वजनिक सड़क परिवहन पर निर्भर है। हमने भारतीय सड़कों पर हजारों इलेक्ट्रिक बसों को चलाने के लिए जो कार्यक्रम शुरू किए हैं, वे परिवहन क्षेत्र के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद करेंगे। हम जिन इलेक्ट्रिक साइकिलों को बढ़ावा दे रहे हैं, वे न केवल छोटी से मध्यम दूरी की यात्रा को हरित बनाएंगी बल्कि शहर और ग्रामीण दोनों नागरिकों के लिए भी स्वस्थ्यपरक होंगी। इंडक्शन कुकटॉप इनडोर वायु प्रदूषण को कम करेंगे और उपभोक्ताओं के लिए लागत में भी काफी बचत करेंगे। ऊर्जा-कुशल बीएलडीसी पंखे न केवल भारतीय घरों की कूलिंग आवश्यकताओं को पूरा करेंगे बल्कि ऊर्जा की खपत को भी काफी कम कर देंगे। रूफटॉप सोलर, जिसे केंद्र सरकार से जोरदार समर्थन मिल रहा है, बिजली उपभोक्ताओं को अब उत्पादक बनने में सक्षम बनाएगा। 'डिजिटल इंडिया' में जितने अधिक ग्राहक ऑनलाइन उत्पादों की खोज और खरीदारी कर रहे हैं, हम अपने स्वयं के ई कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से उनके लिए अपने ऊर्जा-कुशल उपकरणों और उत्पादों को लाएंगे। संक्षेप में, हम पूरे देश में हर क्षेत्र, हर उद्योग और हर समुदाय तक स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और ऊर्जा बचाने के फायदे पहुंचाते रहेंगे। पिछले साल के हमारे काम ने ऊर्जा दक्षता में अग्रणी के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत किया है, और आने वाले साल में हम अपनी पहुँच और प्रभाव को और भी बढ़ाते हुए देखेंगे।

ENERGY EFFICIENCY SERVICES LIMITED
A JV of PSUs under Ministry of Power, Government of India

ईईएसएल के 14 साल पूरे, आइए देखें अब तक हमारी उपलब्धियां और भविष्य में ऊर्जा दक्षता के लिए और क्या बेहतर किया जा सकता है

इस साल ईईएसएल अपनी 14वीं स्थापना दिवस मना रहा है। कंपनी की स्थापना के बाद से अब तक हमने एक लंबा सफर तय किया है। हमने खुद के कुछ कार्यक्रमों और दूसरों के साथ साझेदारी में कुछ कार्यक्रमों के माध्यम से भारत में ऊर्जा दक्षता को मुख्यधारा बनाने के लिए नोडल संस्था के रूप में खुद को स्थापित किया है। स्थापना दिवस के अवसर पर, आइए बीते साल की उपलब्धियों और आने वाले वर्षों में जिन नई पहलों का हम हिस्सा होंगे, उन पर गर्व के साथ नज़र डालें। भारत की G20 अध्यक्षता के तहत हमने कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम शुरू किए हैं। जुलाई 2023 में, ईईएसएल ने गोवा में 14वीं स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान 700 करोड़ रुपये मूल्य के 15 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। **इनमें शामिल थे**:

आंध्र प्रदेश राज्य आवास कंपनी लिमिटेड से 6 लाख एलईडी बल्ब, 3 लाख एलईडी ट्यूबलाइट और 3 लाख बीएलडीसी सीलिंग पंखे लाभार्थियों को वितरित करने के लिए समझौता।

आईआईटी मद्रास एमएसएमई के लिए ऊर्जा मूल्यांकन और ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करने के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने और लागत बचत को सक्षम बनाने में मदद करता है।

इंग्लैंड के लफ़बरो यूनिवर्सिटी (Loughborough University) ने भारत में बड़े पैमाने पर बिजली से खाना बनाने को बढ़ावा देने और अपनाने में मदद करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है।

सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड: ग्रामीण ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने और "वोकल फॉर लोकल" पहल का समर्थन करता है।

बाप्स स्वामीनारायण संस्था (अक्षरधाम) भारत में बाप्स केंद्रों और मंदिरों में ऊर्जा दक्षता उपायों को लागू करता है।

लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (LAHDC) लेह के दूरदराज क्षेत्रों में रिचार्जेबल इन्वर्टर बल्ब और इंडक्शन कुकटॉप वितरित किया गया।

शक्ति फाउंडेशन, क्लीन कूलिंग कोलैबोरेटिव (सीसीसी), एलायंस फॉर एनर्जी एफिशिएंट इकोनॉमी (एईईई), कोलैबोरेटिव लेबलिंग एंड अप्लायंस स्टैंडर्ड्स प्रोग्राम (सीएलएएसपी), ईएमसी केरल और श्री साईंबाबा संस्थान ट्रस्ट, शिरडी मिलकर ऊर्जा-कुशल तकनीकों को अपनाने, कूलिंग सेक्टर में क्रांति लाने, स्वच्छ समाधानों को बढ़ावा देने और विभिन्न सुविधाओं में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए एनर्जी ऑडिट आयोजित कर रहे हैं।

हमने अपनी नई ऊर्जा दक्षता रणनीति का भी अनावरण किया है, जिसे भारत की नेट जीरो आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए यूएसएआईडी इंडिया के सहयोग से तैयार किया गया है। हमने यूएसएआईडी इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करके डीकार्बोनाइजेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है ताकि भविष्य की रणनीतियों और कार्यक्रमों को आकार दिया जा सके।

हमने प्रमुख क्षेत्रों में, जैसे कि अति-कुशल शीतलन और ताप, एकीकृत ऊर्जा दक्षता सेवाएं, उपयोगिता ऊर्जा प्रबंधन, मांग लचीलापन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय विस्तार किया है।

नवंबर 2023 में, केंद्र सरकार ने दो ऊर्जा-बचत कार्यक्रम शुरू किए। राष्ट्रीय कुशल पाक कला कार्यक्रम (एनईसीपी) और ऊर्जा कुशल पंखे कार्यक्रम (ईईएफपी)। इन्हें ईईएसएल द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। एनईसीपी का लक्ष्य ईईएसएल के इंडक्शन आधारित कुकटॉप के माध्यम से ऊर्जा-दक्ष खाना पकाने के तरीकों को बढ़ावा देना है, जो पारंपरिक तरीकों की तुलना में 25-30% कम लागत में खाना पकाने में मदद करते हैं। ईईएफपी ऊर्जा-कुशल शीतलन समाधानों को बढ़ावा देता है। खासकर ऊर्जा-कुशल बीएलडीसी पंखे बिजली की खपत और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हैं।

पिछले महीने, भारत ऊर्जा सप्ताह 2024' कार्यक्रम में, ईईएसएल ने लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद, लेह के साथ 300 करोड़ रुपये और विद्या प्रतिष्ठान के साथ 200 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों का लक्ष्य ऊर्जा दक्षता के प्रमुख क्षेत्रों - प्रकाश, स्वच्छ खाना पकाना, कमरे को गर्म रखना, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक परिवहन, शीतलन और परामर्श- में दीर्घकालिक सहयोग के लिए रूपरेखा तैयार करना है। लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के साथ समझौता ज्ञापन में नवीन हीट पंप तकनीक का उपयोग करके लद्दाख के विभिन्न स्थानों पर कमरे गर्म रखने के समाधान शामिल हैं। ईईएसएल पूरे लद्दाख में आंगनवाड़ी केंद्रों में खाना पकाने की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 2,000 इंडक्शन कुक स्टोव भी प्रदान कर रहा है। लद्दाख के हर ब्लॉक के गांवों में इन्वर्टर बल्ब वितरित करने के लिए भी एक कार्यक्रम बनाया जा रहा है। लद्दाख में हमारा काम भारत के सभी लोगों, जिनमें दूरदराज या पहाड़ी क्षेत्रों के लोग भी शामिल हैं, उन तक ऊर्जा दक्षता के लाभ पहुंचाने की हमारी इच्छा को रेखांकित करता है।

बेंगलुरु में, G20 की ऊर्जा परिवर्तन पर कार्य समूह की बैठक के दौरान, हमने इंडोनेशिया-मलेशिया-थाईलैंड ग्रोथ ट्रायंगल जॉइंट बिजनेस काउंसिल (IMT-GT JBC) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

श्री विशाल कपूर
सीईओ, ईईएसएल

इस समझौते के तहत, ईईएसएल इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड में रूफटॉप सौर ऊर्जा परियोजनाओं, एलईडी स्ट्रीट लाइट परियोजनाओं, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, उजाला और भवन ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम को लागू करेगा। IMT-GT JBC के साथ यह साझेदारी कारोबारों में सतत विकास को बढ़ावा देगी और परिषद के सभी शहरों के विकास पथ में ऊर्जा दक्षता को केंद्रीय बनाएगी।

उपरोक्त कार्यक्रमों और साझेदारी को पूरा करने के अलावा, आने वाले वर्ष में हमारा मुख्य ध्यान भारत में रूफटॉप सौर ऊर्जा का समर्थन करने और अपनी ई-कॉमर्स उपस्थिति को मजबूत करने पर होगा। छत पर लगने वाले सौर ऊर्जा संयंत्रों को सरकारी स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है। "प्रधान मंत्री सूर्योदय योजना" के लिए आरईसी को नोडल संस्था के रूप में नामित किया गया है, जिसका लक्ष्य 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित करना है। ईईएसएल उन आठ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में से एक है जो इसे सौंपे गए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस योजना को लागू करेगा।

अन्य संगठनों और कार्यक्रमों के साथ अपनी विशेषज्ञता और संसाधनों को जोड़कर, हम भारत के स्वच्छ ऊर्जा समाधानों की ओर संक्रमण की गति को तेज करेंगे। हम भारत की शुद्ध शून्य यात्रा में प्रगति को गति देने के लिए ऊर्जा दक्षता का लाभ उठाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं। इस स्थापना दिवस के साथ, आइए हम अपने प्रयासों का स्तर और भी ऊंचा उठाएं।

ENERGY EFFICIENCY SERVICES LIMITED
A JV of PSUs under Ministry of Power, Government of India

ईईएसएल की ई-कॉमर्स वेबसाइट के शुभारंभ होने से ऊर्जा दक्षता को अपनाने का रास्ता प्रशस्त हुआ

श्री आदेश सक्सेना महाप्रबंधक तकनीकी/प्रमुख खुदरा एवं विक्रय, ईईएसएल

पर्यावरण अनुकूल रहन-सहन के बढ़ते महत्व और जलवायु चेतना में वृद्धि के साथ, सुलभ ऊर्जा-दक्ष समाधानों की आवश्यकता बढती जा रही है। इस आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, ईईएसएल ने अपनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, eeslmart.in के बीटा वर्जन का शुभारंभ किया। इस कदम से भारत भर में ऊर्जा-कुशल उपकरणों और समाधानों को अपनाने के एक नए युग की शुरुआत होती है।

समाधानों के ज़रिए उपभोक्ताओं का सशक्तिकरण

ऊर्जा दक्षता मार्केटप्लेस उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के ऊर्जा-कुशल उत्पादों और सेवाओं से जोड़ने वाले एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। उपकरणों से लेकर प्रकाश व्यवस्था, तापन, शीतलन प्रणालियों और स्मार्ट होम उपकरणों तक, उपभोक्ताओं के पास अब उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार तैयार किए गए विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच होगी। एक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण प्रदान करके, यह प्लेटफॉर्म उत्पाद नवाचार को प्रोत्साहित करेगा और कीमतों में कमी लाएगा, जिससे ऊर्जा-कुशल समाधान अधिक किफायती और बड़े उपभोक्ता आधार के लिए सुलभ होंगे।

सतत भविष्य के लिए ईईएसएल की परिकल्पना

ऊर्जा दक्षता और स्थिरता को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, ईईएसएल का ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर्यावरण के प्रति सजग उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए एक प्रमुख स्थान बनने के लिए तैयार है। इस प्लेटफॉर्म का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण समय पर हुआ है। हाल ही में माननीय वित्त मंत्री ने बजट भाषण में एलईडी लैंप और स्ट्रीटलाइटिंग राष्ट्रीय कार्यक्रम के महत्वपूर्ण प्रभाव को रेखांकित किया था। माननीय प्रधानमंत्री जी के "पर्यावरण के लिए जीवन शैली" (LiFE) मिशन से प्रेरित होकर, ईईएसएल ने एक डिजिटल पहल शुरू की है। यह पहल लोगों को एक साथ लाकर पर्यावरण को बचाने में मदद करेगी। ईईएसएल ने ऊर्जा-कुशल उपकरणों का एक चयन भी किया है, जो लोगों को ऊर्जा बचाने में मदद करेगा।

बदलाव लाने की क्षमता

अभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म EESLmart.in अपने शुरुआती चरण में है, लेकिन यह ऊर्जा की बचत करने वाले उपकरणों को लोगों तक आसानी से पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। भविष्य में, इस प्लेटफॉर्म पर सुपर-दक्ष एसी, इलेक्ट्रिक साइकिल और इंडक्शन कुकर जैसी और भी कई चीज़ें मिलने लगेंगी। ईईएसएल का लक्ष्य है कि EESLmart.in एक ऐसी जगह बने, जहां से भारत भर के लोग आसानी से ऊर्जा की बचत करने वाले उपकरण खरीद सकें। यही नहीं, यह प्लेटफॉर्म अब व्यापार जगत (B2B) में भी कदम रख रहा है, जो दिखाता है कि ईईएसएल नई चीज़ें करने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। ईईएसएल लोगों और व्यापारों को ऊर्जा बचाने के तरीकों के बारे में जागरूक बनाकर उन्हें सही और दूरदर्शी फैसले लेने में मदद करना चाहता है।

एक हरित भविष्य के लिए सोच में बदलाव

भारत, नेट-ज़ीरो उत्सर्जन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है, और इस लक्ष्य को पाने में eeslmart.in महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ईईएसएल छोटे व्यवसायों के लिए ऊर्जा दक्षता वाली परियोजनाएं दे रही है और साथ ही निर्माताओं को अपने उत्पाद दिखाने के लिए एक मंच भी प्रदान कर रहा है। इस तरह से ईईएसएल कम ऊर्जा खपत करने वाले भविष्य की तरफ एक बड़े बदलाव को गति दे रहा है। ईईएसएल के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का शुभारंभ होना, भारत की पर्यावरण अनुकूल विकास की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। eeslmart.in उपभोक्ताओं को विकल्प देकर, नई चीज़ों को बनाने को बढ़ावा देकर और सहयोग को बढ़ाकर, ऊर्जा की कम खपत को अपनाने के लिए रास्ता बना रहा है। यह एक ज़्यादा हरे और ज़्यादा सतत कल की नींव रख रहा है। अधिक जानकारी और अपडेट के लिए eeslmart.in पर जाएं और ऊर्जा दक्षता वाली क्रांति का हिस्सा बनें!

ENERGY EFFICIENCY SERVICES LIMITED
A JV of PSUs under Ministry of Power, Government of India

गोवा से वैश्विक स्तर तक : ईईएसएल का भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 में प्रभावशाली योगदान

श्री सौरव पुरोहित
उप प्रबंधक (तकनीकी)

पिछले साल को याद करते हुए, ईईएसएल ने प्रमुख मंचों और कार्यक्रमों में ऊर्जा दक्षता क्षेत्र में अपनी निरंतर प्रगति का प्रदर्शन किया है। उल्लेखनीय उपलब्धियों में जी-20, 14वीं स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तीय बैठक, भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला और केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में ऊर्जा दक्षता उपाय कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी शामिल है। इस गति को बनाए रखते हुए, ईईएसएल ने 6-9 फरवरी, 2024 गोवा में आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 के दूसरे संस्करण में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भारत ऊर्जा सप्ताह (2024) का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। यह एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम था जिसमें कई बड़े लोगों ने हिस्सा लिया। 35,000 से अधिक लोगों, 350 से अधिक संगठनों (ईईएसएल सहित), 400 वक्ताओं और 100 से अधिक देशों के 4,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में दुनिया भर के महत्वपूर्ण विशेषज्ञ ऊर्जा से जुड़ी बातचीत करने, नई चीज़ें सीखने और साथ मिलकर काम करने के लिए एक साथ आए।

भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान ईईएसएल ने विभिन्न नई पहलों के साथ अपनी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज कराई। पारंपरिक प्रदर्शनियों के विपरीत, ईईएसएल का तरीका आगंतुकों को सक्रिय रूप से जोड़ना है, जिससे उन्हें प्रदर्शित उत्पादों का प्रत्यक्ष अनुभव मिल सके। ई-साइकिल से लेकर इनोवेटिव लाइटिंग और कुकिंग सॉल्यूशंस और अन्य ऊर्जा-कुशल उपकरणों के साथ, ईईएसएल का पैवेलियन हमारी परियोजनाओं के परिवर्तनकारी प्रभाव का प्रमाण था।

मैंने लोगों को ई-साइकिल में गहरी रुचि लेते हुए देखा है। छात्रों को एक स्पर्श से जलते इन्वर्टर बल्बों को देखकर आश्चर्यचकित होते देखा है। और खाना पकाने के शौकीनों को इंडक्शन कुकस्टोव पर चाय और नाश्ता बनाते हुए देखा है।

किफायती मूल्य पर रिमोट-नियंत्रित बीएलडीसी पंखे और 100 वॉट आईसीएल या 9 वॉट एलईडी बल्ब के समान ल्यूमेन की पेशकश करने वाले 6 वॉट के एलईडी बल्ब की शुरूआत से ऊर्जा के प्रति जागरूक लोगों में उत्साह बढ़ा है। उपस्थित लोगों के चेहरे पर विश्वास और गर्व की भावना झलक रही थी, जो भारत के ऊर्जा परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव का संकेत दे रही थी।

ईईएसएल का दायरा सिर्फ प्रदर्शनी तक ही सीमित नहीं रह गया है। बल्कि यह बढ़कर संबंध बनाने और साझेदारी को धरातल पर उतारने के रूप में सामने आया है। उत्साही उद्यमियों ने भारत के सतत विकास अभियान में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में ईईएसएल को देखते हुए सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की। ऊर्जा दक्षता के लक्ष्यों को प्राप्त करने में संगठनों की मदद करने के लिए ईईएसएल को एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में देखा जाता है। यह हमारी पहलों की सफलता का प्रमाण है।

भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 के दौरान एक उल्लेखनीय विकास में, ईईएसएल ने हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों के माध्यम से विद्या प्रतिष्ठान पुणे और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद लेह के साथ साझेदारी शुरू की। ये सहयोग प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ खाना पकाने, स्पेश हीटिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, ई-गतिशीलता, शीतलन और परामर्श सहित ऊर्जा दक्षता के प्रमुख क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग के लिए एक रूपरेखा तैयार करने पर केंद्रित हैं। हरित संस्थान बनने का लक्ष्य रखने वाले विद्या प्रतिष्ठान ने ईईएसएल की पारदर्शी और अभिनव कार्यान्वयन रणनीति पर भरोसा करते हुए ईईएसएल के साथ काम करने का फैसला किया।

लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में ऊर्जा दक्षता उपायों को लागू करने वाली मुख्य संस्था के रूप में, ईईएसएल बिजली विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर सक्रिय रूप से परियोजनाओं पर काम कर रही है। "कार्बन न्यूट्रल लद्दाख" के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (LAHDC) के साथ समझौता ज्ञापन स्पेश हीटिंग और ई-मोबिलिटी पर केंद्रित है।

ईईएसएल के इलेक्ट्रिक वाहन पहले से ही "लामाओं की भूमि" पर चल रहे हैं, और लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के समर्थन से इस परियोजना का उल्लेखनीय रूप से विस्तार किया जा सकता है।

लद्दाख के लिए ऊर्जा-कुशल गर्म स्थान आवश्यक हैं, और लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (LAHDC) का लक्ष्य है कि उन्हें सभी निवासियों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए सुलभ बनाया जाए। ईईएसएल ने पहले ही लेह में पीडीडी के साथ मिलकर हीट पंप लगा दिए हैं। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य सेवा विभाग (केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख) के अंतर्गत एक सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र में भू-तापीय आधारित स्थान हीटिंग सॉल्यूशन के एक पायलट कार्यान्वयन पर काम चल रहा है। LAHDC, ईईएसएल के साथ साझेदारी करके, इस बात को बताता है कि ज़्यादा मांग और कम लागत ज़्यादा उत्पादन (economies of scale) बहुत जरूरी हैं. इसीलिए, LAHDC इन तकनीकों को अपने इलाके में हर जगह फैलाना चाहता है ताकि पूरे लद्दाख का विकास पर्यावरण अनुकूल तरीके से हो सके।

भारत ऊर्जा सप्ताह में हुए समझौता ज्ञापन (MoUs) मिलकर ऊर्जा दक्षता और स्थायित्व के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। ये समझौते भारत की ऊर्जा-कुशल भविष्य की यात्रा में योगदान देने वाली परिवर्तनकारी परियोजनाओं की आधारशिला रखते हैं।

संक्षेप में, भारत ऊर्जा सप्ताह 24 में ईईएसएल की सक्रिय भागीदारी ने हमारी नई पहलों के बारे में जागरूकता बढ़ाई और इन प्रयासों से लाभ उठाने में रुचि रखने वाले संभावित हितधारकों की भी पहचान की है। यह आयोजन निश्चित रूप से देश में ज्ञान के आदान-प्रदान, सहयोग और स्थायी ऊर्जा प्रथाओं के लिए कार्य को आगे बढ़ाने का एक मंच रहा है. भारत ऊर्जा सप्ताह में ईईएसएल के प्रभाव ने न केवल गोवा में उपस्थित लोगों को जागरूक किया है बल्कि गोवा से बाहर वैश्विक स्तर पर भी ऊर्जा परिदृश्य को लेकर जागरूकता स्थापित हुई. इन उल्लेखनीय उपलब्धियों में समर्पित योगदान के लिए सभी ईईएसएल कर्मचारियों को बधाई।

ENERGY EFFICIENCY SERVICES LIMITED
A JV of PSUs under Ministry of Power, Government of India

“भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 की मुख्य बातें: ईईएसएल ने कम ऊर्जा खर्च करने वाले उपकरणों का प्रदर्शन करके और विद्या प्रतिष्ठान और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके शानदार प्रदर्शन किया”

जनसंपर्क अधिकारी : सुश्री प्रियल प्रकाश

6 से 9 फरवरी 2024 तक गोवा में आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह 2024, भारत की सतत विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के लिए निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में और फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (FIPI) के समर्थन से, इस अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन ने उद्योग जगत के प्रमुख लोगों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों के बीच सहयोगात्मक चर्चा को सुगम बनाया।

2024 का भारत ऊर्जा सप्ताह एक वैश्विक मंच के रूप में उभरा, जो ऊर्जा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए समर्पित था। यह आयोजन 2023 संस्करण की सफलता पर आधारित था, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया था। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश को रेखांकित किया और इस क्षेत्र के वैश्विक महत्व पर बल दिया। उन्होंने ऊर्जा समाधानों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

नवीनता और पर्यावरण अनुकूल विकास पर केंद्रित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उद्योग, शिक्षा, व्यापार से संबंध लोगों और खोजकर्ताओं ने विचारों का आदान-प्रदान किया और मिलकर नई खोजों पर काम किया। इस मौके पर मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने घोषणा करते हुए कहा , "भारत तेजी से वैश्विक ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।" उन्होंने भारत की गैस-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की व्यापक रणनीति का विवरण दिया। इस रणनीति में नवीकरणीय ऊर्जा, जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन के माध्यम से ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाना शामिल है।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली एक सार्वजनिक ऊर्जा सेवा कंपनी के रूप में, ईईएसएल को ऊर्जा बचाने और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाने वाली ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं को लागू करने के लिए जाना जाता है। भारत ऊर्जा सप्ताह जैसे कार्यक्रमों में ईईएसएल की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इस दौरान, ईईएसएल कम बिजली खर्च करने वाले अपने कार्यक्रमों और उपकरणों को दिखाती है, जिनमें **ऊर्जा दक्षता पंखा कार्यक्रम के पंखे, राष्ट्रीय पाक कला कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले इंडक्शन कुकटॉप, उजाला कार्यक्रम के एलईडी बल्ब और इलेक्ट्रिक साइकिल** शामिल हैं।

इसके अलावा, भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 के दौरान ईईएसएल ने विद्या प्रतिष्ठान और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के साथ 500 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, जो एक बड़ी उपलब्धि है। ये रणनीतिक समझौते ऊर्जा दक्षता के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए दीर्घकालिक सहयोग का ढांचा तैयार करने का लक्ष्य रखते हैं। सतत प्रगति की दिशा में एक ऐतिहासिक छलांग, ये समझौता ज्ञापन परिवर्तनकारी साझेदारी के लिए ईईएसएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं, जो भारत के ऊर्जा परिदृश्य को अधिक हरित और अधिक कुशल भविष्य की ओर ले जाता है।

ईईएसएल, अपनी इस यात्रा के दौरान समर्थन के लिए विद्युत मंत्रालय का हार्दिक आभार व्यक्त करता है। मंत्रालय का संरक्षण हमारे प्रयासों में सहायक रहा है, जिसने भारत के लिए एक स्थायी और ऊर्जा-कुशल भविष्य की दिशा में एक मार्ग तैयार किया है। आपके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद।

दुनिया और भारत भर में ऊर्जा के शीर्ष रुझान

2030 तक वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा को तिगुना करने के लिए प्रति वर्ष 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की आवश्यकता: रिपोर्ट

एक वैश्विक थिंक-टैंक क्लाइमेट एनालिटिक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जो वैश्विक अक्षय ऊर्जा क्षमता को तिगुना करने के लक्ष्य को पूरा करने की राह पर है, जो मुख्य रूप से चीन और भारत की नीतियों से संचालित है। यह क्षेत्र कुल मिलाकर सबसे बड़ा योगदान देता है, जो वैश्विक स्तर पर 2030 तक आवश्यक 8.1 टेरावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता वृद्धि का लगभग आधा (47 प्रतिशत) प्रदान करता है। चीन और भारत में अक्षय ऊर्जा की वृद्धि इस क्षेत्र में दक्षिण कोरिया जैसे पिछड़ने वाले देशों की भरपाई करती है, जहां यह पूरे क्षेत्र की तुलना में आधी दर से बढ़ने के लिए तैयार है।

पीएम मोदी ने 75,000 करोड़ रुपये के निवेश वाले छत पर सौर ऊर्जा योजना का नाम बदलकर 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' रखा

पीएम मोदी ने 13 फरवरी को सरकार की नई रूप से तैयार की गई रूफटॉप सौर योजना का नाम बदलकर 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' कर दिया, जिसका लक्ष्य भारत में एक करोड़ घरों को सौरकृत करना है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है, जिसका उद्देश्य उन घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है जिनमें सौर पैनल लगाए जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि "स्थायी विकास और लोगों के कल्याण को और बढ़ावा देने के लिए, हम 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' शुरू कर रहे हैं। इस परियोजना का लक्ष्य 75,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ, हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करके एक करोड़ घरों को रोशन करना है।"

यूपी सरकार ने 67,000 करोड़ रुपये से अधिक की 8 नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की योजना बनाई

उत्तर प्रदेश के बिजली क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए, उत्तर प्रदेश में अग्रणी नवीकरणीय और जलविद्युत ऊर्जा कंपनियों ने 67,000 करोड़ रुपये से अधिक की आठ परियोजनाओं की स्थापना का प्रस्ताव रखा है। इसमें निजी क्षेत्र की संस्थाओं में टोरेंट पावर, ग्रीनको ग्रुप, जेएसडब्ल्यू न्यूओ एनर्जी, एकमे क्लिनेटेक सॉल्यूशंस, अमुरा इंफ्राटेक और एग्रीटेक और अवदा वाटर बैटरी शामिल हैं। इन संस्थाओं द्वारा 13,250 मेगावाट (मेगावाट) की संयुक्त क्षमता वाली परियोजनाएं विकसित की जाएंगी। उत्तर प्रदेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सबसे बड़ी परियोजना, पंप्ड स्टोरेज पावर (पीएसपी) मॉडल पर आधारित, टोरेंट पावर द्वारा सोनभद्र में 24,200 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 4,150 मेगावाट जल विद्युत पैदा करने के लिए विकसित की जाएगी।

COP29 से पहले COP28 लक्ष्यों पर कार्ययोजना तैयार करेगा IEA

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा संस्था (IEA) ने हाल ही में एक उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित की ताकि जीवाश्म ईंधन से दूर जाने, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने और 2030 तक ऊर्जा दक्षता में सुधार को दोगुना करने सहित COP28 समझौते को प्राप्त करने के लिए एक योजना तैयार की जा सके। पेरिस में IEA के मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में, दुनिया भर के ऊर्जा और क्लाइमेट लीडर्स ने उन अगले कदमों को संबोधित किया, जो सरकारों को हाल हाल ही में दुबई में हुए COP28 जलवायु शिखर सम्मेलन में की गई महत्वपूर्ण ऊर्जा प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए उठाने की आवश्यकता है और यह सुनिश्चित करना है कि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने का द्वार खुला रहे।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सबसे अधिक सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के मामले में शीर्ष पर है

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 5,059 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के साथ, कर्नाटक देश में सबसे आगे निकल आया है। इस मामले में राज्य ने महाराष्ट्र और दिल्ली को पीछे छोड़ दिया है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति 2017 में शुरू करने वाले पहले राज्य कर्नाटक के पास अब सबसे अधिक सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन है। इसके बाद महाराष्ट्र (3,079), दिल्ली (1,886), केरल (958), तमिलनाडु (643), उत्तर प्रदेश (583) और राजस्थान (500) का स्थान है। इन सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों में निजी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों दोनों द्वारा स्थापित स्टेशन शामिल हैं।

ईईएसएल के मुख्य कार्यक्रम

भारत उर्जा सप्ताह 2024 में ईईएसएल

ईईएसएल में स्थापना दिवस जश्न

राजभाषा सम्मेलन

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग

फिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड (ईईए

एंसी सर्विसेज़ लिमिटेड (ईईएसएल

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड

विद्युत मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनी

पता : एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) 5, 6 और 7वां तल, कोर -III, स्कोप कंप्लेक्स ,
7 - लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003

फोन : 011-45801260

वेबसाइट : www.eeslindia.org

संपादकीय जानकारी और विज्ञापन के लिए यहां संपर्क करें

amishra@eesl.co.in

011- 45801260